UP Board Notes Class 6 Hindi Chapter 25 मंगल पाण्डे (महान व्यक्तिव)

पाठ का सारांश

मंगल पाण्डे प्रथम स्वाधीनता संग्राम के प्रथम देशभक्त सिपाही थे। इनका । जन्म साधारण परिवार में हुआ। मंगल पाण्डे शांत और सरल स्वभाव के थे। 10 मई, 1849 ई० को ये ईस्ट इंडिया कम्पनी की सेना में भरती हो गए। एक दिन बंगाल छावनी में, बन्दूक के कारतूस . में गाय और सूअर की चर्बी लगे होने की बात फैली, जिससे सिपाहियों में असन्तोष फैल गया। उसी रात बैरकपुर छावनी में कुछ इमारतों में आग की लपटें देखी गई। आग लगानेवाले का पता न चला। बैरकपुर की 19 नंबर पलटन ने कारतूस प्रयोग करने से इनकार कर दिया। पलटने से हथियार रखवा लिए गए और सैनिकों को बर्खास्त कर दिया गया। 29 मार्च, 1857 को मंगल पाण्डे ने खुले रूप में क्रान्ति का आह्वान किया। मंगल पाण्डे ने मेजर यूसन और लेफ्टिनेंट बाग को घोड़े सहित गोली मार दी। बाग बच गया, तो उसे मंगल पाण्डे ने तलवार से मार दिया। घायल अवस्था में मंगल पाण्डे को गिरफ्तार किया गया। 8 अप्रैल, 1857 ई० को पूरी रेजीमेंट के सामने मंगल पाण्डे को फाँसी दे दी गई।

मंगल पाण्डे के बलिदान से क्रान्ति की आग भड़क उठी। कई स्थानों पर भारतीय सैनिकों ने विद्रोह कर दिया, जिसे प्रथम भारतीय स्वाधीनता संग्राम कहा जाता है।

https://www.evidyarthi.in/